**Re. DEMAND FOR A DISCUSSION ON KILLING OF T.D.P. WORKERS IN CUDDAPAH DISTRICT IN ANDHRA PRADESH**

DR. ALLADI P. RAJKUMAR (Andhra Pradesh): Sir, we had given a notice yesterday regarding the brutal murder of TDP workers in Cuddapah District of Andhra Pradesh...*(Interruptions)*. Telegu Desam Party workers are being murdered...*(Interruptions)*. Home Minister is right now here in the House. He should ...*(Interruptions)*

श्री सभापति: होम मिनिस्ट्री से कमेंट्स मांगे गए हैं। आज ही मांगे गए हैं, बैठ जाइए। ...(व्यवधान)...

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY (Andhra Pradesh): Sir, there are murders everyday...*(Interruptions)*.

SHRI C. RAMACHANDRAIAH (Andhra Pradesh): Sir, these things are happening everyday...*(Interruptions)*. It is a matter of threat to the lives of our party workers...*(Interruptions)*.

श्री सभापति: वह बाद में देखेंगे, इस समय नहीं। आप बैठिए, मैं बहुत आपको चांस देता हूं। ...(व्यवधान)...

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, far twenty persons have been murdered...*(Interruptions)*.

श्री सभापति: अब हर मर्डर पर हाउस में चर्चा हो, यह ज़रूरी नहीं है। ...(व्यवधान)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Sir, we had requested for a discussion. Sir, in spite of ...*(Interruptions)*.

श्री सभापति: मैंने होम मिनिस्ट्री से कमेंट्स मांगे हैं। वे आ जाएं, फिर बाद में बात कर लेंगे। अभी बैठिए आप। अभी मैंने स्पेशल मेंशन लिए हैं। ...(व्यवधान)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: No, Sir, last week, we have given a representation to the Prime Minister... *(Interruptions)*. Yesterday, we have given a representation to the President of India. Sir, these murders took place when the President of this country was in Hyderabad...*(Interruptions)*. Sir, this has become the order of the day...*(Interruptions)*.

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, a discussion in this House...*(Interruptions)*.

**श्री सभापति:** आप बैठ जाइए। मेरी सुनिए...(**व्यवधान**)... एक मिनट बैठिए..एक मिनट बैठिए आप। एक-एक करके बता दीजिए। ...(**व्यवधान**)...रामचन्द्रैया जी, आप क्या कह रहे हैं?

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Sir, last week we have given a representation to the Prime Minister when he visited Andhra Pradesh. Day before yesterday, the President of India also visited Andhra Pradesh. In spite of the representation given, this has continuously become the order of the day. The Telegu Desam Party is being decimated, and, all the TDP workers are being murdered...*(Interruptions)*. Sir, it has become the order of the day. Sir, twenty-one persons have been murdered...*(Interruptions)*. Sir, they have been given the mandate to rule the people, not, to murder the people...*(Interruptions)*.

**श्री सभापति:** यह नहीं, यह नहीं। ...(**व्यवधान**)... डॉ० प्रभा ठाकुर बोलिए। ...(**व्यवधान**)... कुछ रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा सिवाय डॉ० प्रभा ठाकुर के। ...(**व्यवधान**)...

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: *

**श्री सभापति:** मैं आपको बता दूं, nothing is going on record. Please sit down. Nothing is going on record.

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: *

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: *

**श्री सभापति:** यह गलत बात है। आप बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)... मैंने उनको चांस दे दिया, और क्या करूं? हमने होम मिनिस्ट्री से कमेंट्स मांगे हैं। ...(**व्यवधान**)... मैं एलाऊ नहीं करूंगा, आप बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)...

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: *

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: *

**श्री सभापति:** अब आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)...

SHRI ANAND SHARMA (Himachal Pradesh): Sir, I have a Point of Order.

MR. CHAIRMAN: Please sit down. He has a Point of Order...*(Interruptions)* आपको दो बार तो मैंने कह दिया है। ज्यादा अच्छा यह होगा कि आप बैठ जाएं। मैंने उनको एलाऊ कर दिया। ...(**व्यवधान**)...

*Not recorded.

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, that discussion is not taking place.

MR. CHAIRMAN: Which one?

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, the discussion on ...*(Interruptions)*.

**श्री सभापति:** अभी एलाऊ नहीं करूंगा। ...(**व्यवधान**)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Let the Minister come out ...*(Interruptions)*.

**श्री आनन्द शर्मा:** सभापति महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। ...(**व्यवधान**)...

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir. ...*(Interruptions)*.

**श्री सभापति:** आपने मामला उठा लिया है। ...(**व्यवधान**)... मैंने एलाऊ नहीं किया है, आपने फिर भी मामला उठा लिया है। *That is enough* ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)...

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, the Home Minister is here...*(Interruptions)*

SHRI ANAND SHARMA: Sir, I have a point of order. ...*(Interruptions)*

**श्री सभापति:** आप बैठिए, ... (**व्यवधान**)... अगर ढंग से जवाब लेना है ... (**व्यवधान**)... आपने बता दिया है और होम मिनिस्टर साहब ने सुन लिया है। मैं इस मामले में होम मिनिस्टर साहब से बात करूंगा और बात करने के बाद वे जो जानकारी देंगे, मैं उस आधार पर आपको एलाऊ कर दूंगा। ...(**व्यवधान**)... आप बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)...

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY:*

**श्री सभापति:** आप बैठ जाइए। ... (**व्यवधान**)...

SHRI ANAND SHARMA: You have permitted me, I must be allowed to have my point of order ...*(Interruptions)*...

**श्री सभापति:** कोई रिकार्ड पर नहीं जाएगा, न इधर का जाएगा और न उधर का जाएगा। ...(**व्यवधान**)...

SHRI ANAND SHARMA: Sir, I have a point of order. ...*(Interruptions)*.

---

*Not recorded

SHRI C. RAMACHANDRAIAH:*

**श्री सभापति:** कोई रिकार्ड पर नहीं जा रहा है, आप क्यों बोल रहे हैं ...(**व्यवधान**)... कोई रिकार्ड पर नहीं जा रहा है।

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY:*

DR. ALLADI P. RAJKUMAR:*

**श्री सभापति:** मैं एलाऊ नहीं करूंगा। ...(**व्यवधान**)... आप बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)... आप मेरे पास आकर बात कर लीजिए ...(**व्यवधान**)... आप आकर बात कर लीजिए, मैं होम मिनिस्टर से बात कर लूंगा। ...(**व्यवधान**)...

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY:*

MR. CHAIRMAN: You have spoken everything without my permission. Please, take your seat. ...*(Interruptions)*. I won't allow.

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, the Home Minister is sitting here ...*(Interruptions)*.

MR. CHAIRMAN: The Home Minister may be sitting here. ...*(Interruptions)*.

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY:*

DR. ALLADI P. RAJKUMAR:*

**श्री सभापति:** ठीक है, आप जबाब ले लीजिए। ...(**व्यवधान**)...

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY:*

DR. ALLADI P. RAJKUMAR:*

**श्री सभापति:** न आपका रिकार्ड पर जा रहा है और न ही इनका रिकार्ड पर जा रहा है। ... (**व्यवधान**)... हम बात करेंगे। आपने जो कहा है, ... (**व्यवधान**)... अब आप सुन ही नहीं रहे हैं, अपनी बात कह रहे हैं। ... (**व्यवधान**)... यह क्या मैं आपकी बात सुनूं और आप मेरी बात न सुनें। ... (**व्यवधान**)...

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: Let him give an assurance. ...*(Interruptions)*

**श्री सभापति:** आप बैठ जाइए। ... (**व्यवधान**)... एश्योरेंस इस बात का कि मैं आपकी बात सुनूं?

---

*Not recorded.

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: How many times will we have to raise the issue? ...*(Interruptions)*

**श्री सभापति:** नहीं, मैं वह नहीं कह रहा हूं। ... (**व्यवधान**)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: We will not come to the House tomorrow ...*(Interruptions)* if this is the situation ... *(Interruptions)*

**श्री सभापति:** मैं आपकी बात को ... (**व्यवधान**)...

SHRI ANAND SHARMA: Sir, I have a point of order, महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है मुझे अनुमति दी जाए। I am on a point of order, Sir ...*(Interruptions)*

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: He is not the Minister, Sir.

**श्री सभापति:** वे कोई मिनिस्टर नहीं है। अभी आपने जो सारे प्वाइन्ट्स रेज किए हैं, मेरे सामने रखे हैं। मैंने उस समय भी कहा था कि मैं मिनिस्टर साहब को इसकी जानकारी दूंगा और उनसे कमेंट्स मांगूंगा। आपने बोल दिया और होम मिनिस्टर साहब ने सुन लिया। अब मैं उनसे बात करूंगा कि इस प्रश्न का किस प्रकार से समाधान हो सकता है। उतना तो इंतजार कर लीजिए।

**डा॰ अलादी पी॰ राजकुमार:** ठीक है आप यह कह रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, if you assure us ...*(Interruptions)*...

SHRI C. RAMACHANDRAIH: Sir, it is happening in the home district of the Chief Minister of Andhra Pradesh ...*(Interruptions)*...

**श्री सभापति:** अभी आप बैठ जाइए, अब तो हो गया। ...(**व्यवधान**)...

**श्रीमती सुषमा स्वराज** (उत्तरांचल): सर ...(**व्यवधान**)...

**श्री सभापति:** यह मिनिस्टर से कह देंगे। ...(**व्यवधान**)... एक मिनट रुकिए ...(**व्यवधान**)... आपको मेरी बात पर विश्वास नहीं होता है ...(**व्यवधान**)...

**डा॰ अलादी पी॰ राजकुमार:** पूरा विश्वास है ...(**व्यवधान**)...

**श्री सभापति:** एक मिनट आप बैठिए तो सही ...(**व्यवधान**)... मैं कह रहा हूं कि होम मिनिस्टर साहब ने सुन लिया ...(**व्यवधान**)... मैं उनसे बातचीत करूंगा, बातचीत करने के बाद

आपको जानकारी दे दूंगा ...(**व्यवधान**)... इसमें आपत्ति क्या है ...(**व्यवधान**)... मैं उन्हें हाउस में अलाउ नहीं करूंगा।

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Sir, I am requesting you to ...*(Interruptions)*... four Members of Telugu Desam Party have been murdered ...*(Interruptions)*... It is happening every day. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: Sir, I have a point of order. ...*(Interruptions)*...

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: Sir, our lives are in danger. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: Sir, I have a point of order. ...*(Interruptions)*... जोशी जी, मुझे अनुमति दी गई है, आप बैठिए ...(**व्यवधान**)...

**डा॰ मुरली मनोहर जोशी** (उत्तर प्रदेश): सदन के सम्माननीय सदस्यों ने अपनी सुरक्षा का सवाल उठाए है ...(**व्यवधान**)... उन्हें आपका संरक्षण चाहिए ...(**व्यवधान**)... हो सकता है कि कल को वे मार दिए जाएं। ...(**व्यवधान**)...

SHRI ANAND SHARMA: Sir, you have given me the permission to raise the point of order.

**श्री सभापति:** आपने जो कहा है, मैं उसके आधार पर इनसे बात करूंगा ...(**व्यवधान**) ... आपकी सुरक्षा होगी ...(**व्यवधान**)...

**डा॰ मुरली मनोहर जोशी:** सभापति जी, आपका निर्देशन होना चाहिए। उनकी सुरक्षा की गारंटी मिले ...(**व्यवधान**)... सदन के सम्मानीय सदस्यों ने अपनी सुरक्षा का सवाल उठाया है ...(**व्यवधान**)...

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, the callous attitude of the Government ...*(Interruptions)*...

*(As this stage some hon. Members left the Chamber)*

**श्री सभापति:** जोशी जी, निर्देशन की आवश्यकता नहीं कहें, मंत्री जी ने सब कुछ सुन लिया है ...(**व्यवधान**)...

**श्री आनन्द शर्मा:** सभापति जी, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न ...(**व्यवधान**)... इस सदन की परंपरा रही है कि राज्यों से संबंधित विषय कभी भी इस सदन में नहीं उठाए जाते ...(**व्यवधान**)... जान-बूझकर इस परंपरा को तोड़ा जा रहा है ...(**व्यवधान**)...

As per the convention, State matter cannot be raised and what all has been said is to defame an elected State Government. The Convention of this House is that such matters are not permitted to be raised. And that convention must be honoured. ...*(Interruptions)*...

श्री संजय निरुपम (महाराष्ट्र): सभापति जी, मेरा एक प्रिविलेज ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: गृह मंत्री जी, मैं आपसे केवल इतना ही निवेदन करना चाहूंगा कि माननीय सदस्यों ने कहा है कि उनकी सुरक्षा को खतरा है, कृपया इसका ध्यान रखें, साथ ही वहां जो हो रहा है, वह किस प्रकार से नियंत्रित किया जा सकता है, उसको डिसाइड करें ...(व्यवधान)... श्रीमती प्रभा ठाकुर ...(व्यवधान)...

डॉ॰ प्रभा ठाकुर (राजस्थान): धन्यवाद सभापति ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम: सभापति जी ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: अब आप बैठ जाएं तो ज्यादा अच्छा है ...(व्यवधान)... मिनिस्टर साहब बोल रहे हैं, बोलने दीजिए ...(व्यवधान)...

गृह मंत्री (श्री शिवराज वी॰ पाटिल): सभापति जी, आपने जो बताया है, हम उसका पूरा ध्यान रखेंगे। यदि किसी सम्माननीय सदस्य को खतरा है तो उसे प्रोटेक्शन देने का काम भी हम दिल्ली में करेंगे और स्टेट में वहां की पुलिस से भी कहेंगे।

श्री सभापति: अब मैं स्पेशल मेंशन लूंगा। डॉ॰ प्रभा ठाकुर ...(व्यवधान)...

डॉ॰ प्रभा ठाकुर: सभापति जी, महिलाओं को बोलने नहीं देते ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम: सभापति जी, प्रिविलेज की अनुमति दी है ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: मैंने अनुमति दी है अब वापस लेता हूं ...(व्यवधान)...

डॉ॰ प्रभा ठाकुर: सभापति जी, महिलाओं को भी बोलने का अधिकार है ...(व्यवधान).

श्री संजय निरुपम: सभापति जी ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बैठ जाइए, काम करने दीजिए हाउस में।

श्री संजय निरुपम: सभापति जी, चार दिन हो गए हैं ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: क्या आप यह चाहते हैं कि हाउस की कार्रवाई नहीं चले ...(व्यवधान).

डॉ॰ प्रभा ठाकुर: सभापति जी, ये महिला विरोधी हैं ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम: सभापति जी, मैं किसके पास जाऊंगा?

श्री सभापति: आप किसी के पास मत जाइए, मेरे पास आ जाइए लेकिन इस प्रकार का व्यवहार मत कीजिए ...(व्यवधान)... आप वहां कुछ कहते हैं और यहां कुछ कहते हैं ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम: सभापति जी, मैं आपके पास सुबह आया था ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: सुबह मैंने जो आपसे कहना था, वह कह दिया ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम: सभापति जी, आप रोज अनुमति देंगे, रोज वापस लेंगे ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: मैंने अनुमति दी है। मैंने आपसे जो कहा है, इसके बाद आप उसे हाउस में रिपीट कर रहे हैं, इसलिए मुझे मजबूरन अनुमति वापस लेनी पड़ रही है ...(व्यवधान)...

डॉ॰ प्रभा ठाकुर: सभापति जी, आपने मुझे बोलने की अनुमति दी है ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम: सभापति जी, ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: यूं कहिए कि आप इसमें फंसे हुए थे ...(व्यवधान)...

डॉ॰ प्रभा ठाकुर: सभापति जी, आपने मुझे अनुमति दी है ...(व्यवधान)... माननीय सदस्य उसका सम्मान नहीं कर रहे हैं ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम: सभापति जी, प्रिविलेज मोशन ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: मोशन मैंने देख लिया है, उसे देख रहा हूं ...(व्यवधान)... प्रिविलेज मोशन इस तरह से नहीं उठाया जा सकता ...(व्यवधान)...

कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी): सभापति जी से इस ढंग से वार्तालाप हो ...(व्यवधान)... यह प्रश्न उठना नहीं होता है ...(व्यवधान)...

डॉ॰ प्रभा ठाकुर: सभापति जी,आपने अनुमति दी है, माननीय सदस्य महिलाओं का सम्मान नहीं कर रहे हैं ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: बोलिए, बोलिए ...(व्यवधान)...

डॉ प्रभा अकुर: सभापति जी, महिलाओं के अधिकारों पर कुठाराघात हो रहा है ... (व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम: सभापति जी ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: यह रिकार्ड नहीं हो रहा है, आप मत बोलिए ...(व्यवधान)... डॉ प्रभा अकुर बोलिए।

---

## SPECIAL MENTIONS

### Request for Establishment of Central Water Resources Commission

डॉ प्रभा अकुर (राजस्थान): सभापति महोदय, पानी जीवन की पहली मूलभूत आवश्यकता है। पेयजल हो या अन्न का उत्पादन–दोनों जीवन से जुड़ी चीजें पानी पर निर्भर करती हैं। पेड़-पौधे हों या चारा और घास अथवा कृषि हर वनस्पति पानी पर निर्भर करती है प्राणी मात्र के जीवन के लिए पानी का सर्वाधिक महत्व है पिछले कुछ वर्षों से मानसून की कमी की निरंतरता के कारण देश के विभिन्न क्षेत्रों में पानी के भारी संकट की स्थिति आ गई है, भूजल स्तर बहुत नीचे चला गया है। देश का आम आदमी तथा किसान हर रोज इस संकट से जूझ रहे हैं। ऐसे हालात में देश की विभिन्न नदियों के जल के बंटवारे पर उत्पन्न विवादों ने भी जरूरतमंद राज्यों में कठिन जल संकट को उत्पन्न कर दिया है। हवा तथा सूरज की रोशनी की ही भांति जल भी पृथ्वी की प्राणियों के लिए प्रकृति की जीवनदायिनी देन है। जल को लेकर बढ़ते अंतर्राज्यीय विवादों को देखते हुए आज यह बहुत आवश्यक अनुभव होता है कि नदी जल राज्यों का नहीं बल्कि केवल केन्द्र का विषय हो जिसके लिए केन्द्र सरकार द्वारा "केन्द्रीय जल संसाधन कमीशन" जैसे बोर्ड का गठन किया जाए जो पूर्णत: सरकार के दायरे से बाहर हो तथा जिसे पूर्ण स्वायत्तता प्राप्त हो तथा उस कमीशन द्वारा ही राज्यों की आवश्यकता के अनुसार नदी जल बंटवारा संबंधी फैसले किए जाएं जिन पर निश्चित अवधि में राज्यों द्वारा अमल किया जाए। पानी के लिए तरसते लोगों को उचित न्याय देने के लिए आज केन्द्रीय जल संसाधन कमीशन जैसी संस्था की बहुत आवश्यकता है।

उपसभाध्यक्ष (श्रीमती सरला माहेश्वरी) पीठासीन हुईं

श्री कृपाल परमार (हिमाचल प्रदेश): महोदया, मैं डॉ प्रभा ठाकुर के विशेष उल्लेख का समर्थन करता हूं।

### Request for Central Assistance to Tackle acute drought situation in Karnataka

SHRI JANARDHANA POOJARY (Karnataka): Madam, as this